

साँचा तेरा दरबार साँवरे भजन लिरिक्स



साँचा तेरा दरबार साँवरे,
महसूस ये हमने किया है साँवरे,
साँचा तेरा दरबार साँवरे।bd।

तर्ज - पलकों का घर।

तेरह पेड़ी चढ़ कर तेरे,
दर्शन जब होते है,
रोम रोम मेरा हर्ष उठे,
जब तुमसे नैन लडे है,
भूलूँ सारी मैं चिंता,
ये जग की साँवरे,
साँचा तेरा दरबार साँवरे।bd।

जो भी तेरे दर पे आता,
वो तेरा हो जाता,
बिन माँगे सब कुछ तू देता,
लखदातार कुहाता,
मैंने बनते ही देखे हैं,
बिगड़े काम रे,
साँचा तेरा दरबार साँवरे।bd।

बेफीकर हूँ अब मैं बाबा,
तुम जो साथ हो मेरे,
हँसते हँसते मैं चलता हूँ,
तुम जो माँझी मेरे,
मोहित जग की नहीं है,
दरकार साँवरे,
साँचा तेरा दरबार साँवरे।bd।

औकात नहीं थी कुछ भी मेरी,
तुमने गले लगाया,
बार्थी भर कर मुझको बाबा,
मेरा साथ निभाया,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आप अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



खुशहाल साँवरे,
साँचा तेरा दरबार साँवरे।bd।

साँचा तेरा दरबार साँवरे,
महसूस ये हमने किया है साँवरे,
साँचा तेरा दरबार साँवरे।bd।

Singer / Upload – Dinesh Sharma
9460316507
